व्यक्तिगत तथा पारिवारिक समस्याओं के लिए बालकों के परामर्श दें

प्रार्थना: "प्रिये प्रभु, पारिवारिक सदस्यों से ठीक वैसा व्यवहार करने में बालकों की सहायता करें, जैसा यूसुफ ने किया था।"

इन विद्यार्जन कार्यों मे से किसी का चुनाव करें जो वर्तमान आवश्यकताओं के लिए उपयुक्त हो।

बालकों को ऊँटो का काफिला चित्रित करने दें, जैसे कि वो जो यूसुफ को मिरत्र ले गया था

एक बड़ी उम्र के बालक को या शिक्षक को यूसुफ और उसके भाईयों की कहानी की संक्षेप में समीक्षा करने दें, जिनके वंशज इजरायल की जनजातियाँ बन गई थी **(उत्पत्ति अध्याय 37 ,39 से 46):**

- उसके भाई उससे इसलिये ईर्ष्या करते थे क्योंकि उनके पिता इस्त्रएल ने; जो कि याकूब भी कहलाता था, यूसुफ को एक खूबसूरत अंगरखा दिया था। (यह यूसुफ मरियम का पति नहीं था)
- वो यूसुफ से घृणा करते थे, क्योंकि उसने सपना देखा था, कि वो उसके आगे भूमि पर गिरकर दण्डवत करेंगे।
- उन्होंने यूसुफ को मार डालने की युक्ति की, परन्तु बाद में उसे दास के रूप में परदेसीयो को बेच दिया।
- मिस्र के राजा के एक अधिकारी पोतीपर, ने यूसुफ को खरीदा, जो पर पोती की ज्ञानपूर्वक सेवा करता रहा।
- यूसुफ आघातों तथा अन्यायों के बाद, राजा फिरौन के साथ राज करने को उठा।
- एक अकाल के दौरान उसके भाई उससे अन्न खरीदने के लिए आए, परन्तु उसे पहचान नहीं पाये।
- उसने उनके पैसे वापस कर दिये तथा कहा, कि छोटे भाई बिन्यामीन के बिना लौटकर ना आयें।

उत्पत्ति 44 तथा 45:1-15 की कहानी के अंतिम भाग को बतायें या अभिनय करें कि युसुफ ने क्या किया जब उसके भाई बिन्यामीन को, जो कि सबसे छोटा भाई था, साथ लेकर मिस्र वापस लौटे।

प्रश्न: कहानी बताने के पश्चात ये प्रश्न पूछें:

यूसुफ ने अपने सेवक को बिन्यामीन के अन्न के बोरे में क्या रखने को कहा? (देखें उत्पत्ति 44:2)

अगर कोई चाँदी के कटोरे को चुराता, तो क्या दंड होना था? (देखें उत्पत्ति 44:10)

क्या भाईयों ने बिन्यामीन को छोड़ दिया, जैसे उन्होंने यूसुफ को छोड़ दिया था? (नहीं, देखें उत्पत्ति 44:33)

क्या भाई अपने किये हुए पर दुखी थे? (हाँ, देखें उत्पत्ति 44:34)

यूसुफ अपने भाईयों से बात करते हुए कैसा महसूस कर रहा था? (देखें उत्पत्ति 45:2)

क्या यूसुफ ने अपने भाईयों को क्षमा कर दिया? (देखें उत्पत्ति 45:15-16)

यूसुफ तथा उसके भाईयों की कहानी के भागों का नाटकीकरण करें। समुदाय के आराधना अगुवे से कहें कि बालकों द्वारा नाटक के करण प्रस्तुती का प्रबन्ध करें।

बड़े बालकों को **वर्णनकर्त्ता, यहूदा, सेवक या यूसुफ** जिसके पास बोरा है, बनने दें।

छोटे बालकों को **बिन्यामीन** तथा अन्य **भाई** बनने दें। भाईयों के पास अन्न के लिये बोरे हैं।

वर्णनकर्ता: उत्पत्ति 44:1-13 में से कहानी का पहला भाग बताता है। फिर कहता है, "सुनो, यूसुफ अपने सेवक से क्या कहता है।

यूसुफ: "सुनो, सेवक, इस कटोरे को सबसे छोटे भाई के अन्न के बोरे में छुपा दो।"

सेवक: कटोरे को बिन्यामीन के अन्न के बोरे में छुपाता है।

भाई: (चलते हुए) "परमेश्वर का धन्यवाद हो! मिस्री ने हमें अन्न अपने भूखे परिवारों तक ले जाने दिया।"

सेवक: बिन्यामीन के पीछे भागता है। कहता है, "तुमने मेरे मालिक का कटोरा चुराया है। देखो, यहाँ वो तुम्हारे बोरे में है। तुम्हें दास बनकर इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।"

भाई: उदासी से वापस जाते हैं। कहते हैं, "हम सब अब दास बन जायेगें।" "जो हमने यूसुफ के साथ किया परमेश्वर हमें उसका दंड दे रहा है।"

वर्णनकर्ता: उत्पत्ति 44:14-34 में से कहानी का दूसरा भाग बताता है। कहता है, "सुनो यहूदा ने युसुफ से क्या कहा"

यहूदा: "मेरे मालिक, कृपया बिन्यामीन की जगह मुझे अपना दास बनने दें। मेरा पिता बहुत उदास होगा, अगर बिन्यामीन उसके पास घर पर नहीं पहुचाँ!"

वर्णनकर्त्ता: उत्पत्ति 45:1-15 में से कहानी का तीसरा भाग सुनाता है। कहता है, "सुनो युसुफ क्या कहता है।"

यूसुफ: "मेरे भाईयों, मैं अतिप्रसन्न हूँ! जो बुराई तुमने मेरे साथ करी थी, परमेश्वर उसमें से अच्छाई लाया है। वो मुझे तुम्हें तथा तुम्हारे परिवारों की देखभाल के लिये लाया है। मैं तुम्हें हर बात के लिये क्षमा करता हूँ।"

वर्णनकर्ता या बड़ा बालक: जिन्होंने सहायता करी उनका धन्यवाद करते हैं।

प्रश्न पूछें। अगर बालकों ने व्यस्कों के लिये कहानी का नाटकीकरण किया है, तो उन्हें व्यस्कों से वो ही प्रश्न पूछने दें जो ऊपर सूचीबद्ध हैं।

कागज़ के छोटे टुकड़ों पर उन चीज़ों को लिखें जो पारिवारिक सदस्य एक दूसरे को ठेस पहुँचाने के लिए करते हैं।

इन कागज़ के टुकड़ों को एक प्याले में रखें तथा परमेश्वर से इन बुरी चीज़ों को क्षमा कर देने के लिये कहें।

टुकड़ों को जमीन पर ऊँडेलें, यह दिखाने के लिये कि हम कैसे इन सभी चीज़ों को परमेश्वर को देते हैं।

जो लोग हमें ठेस पहुँचाते हैं, उन्हें क्षमा करने तथा उनसे प्रेम करने में अपनी सहायता के लिये परमेश्वर से प्रार्थना करें।

चित्र: बालकों को नकल करने के लिए एक बोरे को चित्रित करें। उनको, व्यस्कों से या अपने माता पिता से उसे अगले आराधना काल में समझाने दें। यह दर्शाता हैं कि कैसे हम क्षमा करते हैं तथा पारिवारिक सदस्यों के प्रति डाह को दूर रखते हैं। हम अपनी डाह को बोरे में रखते हैं तथा परमेश्वर को उसे लेने देते हैं। वो हमारे पापों को ले लेता है।

विचार विमर्श करें: उसके अन्य क्या उदाहरण है कि कब हमें पारिवारिक सदस्यों को उनके द्वारा किये गए कार्यों के लिये क्षमा कर देना चाहिये, जिन्होंने हमें पूर्व में ठेस पहुँचाई?

बालकों की निजी समस्याओं से व्यवहार करें:

- अगर किसी बालक की समस्यायें हैं, तो उसके साथ समूह से अलग होकर समय बितायें।
- उनकी समस्याओं के छुपे हुए मूल कारणों को जानने के लिये अच्छी तरह से सुनें। सहायता के लिये प्रार्थना करें।
- प्रारंभ में उनके द्वारा की गई बनावटी शिकायतों की जगह, जड़ (मूल) के सतय व्यवहार करें।
- समस्याओं को उचित स्तर पर देखें। अगर आवश्यकता हो, तो माता पिता से बात करें।
- परमेश्वर के वचन को समस्या के कारण पर लागू करें, ना कि सिर्फ लक्षणों पर।
- एक बार में एक कदम चलकर, बालकों को उनका व्यवहार बदलने में सहायता करें।
- ध्यान दें, कि बालक किन बुरी भावनाओं से ग्रस्त हैं। क्या कुछ अपने बारे में बुरा सोचते हैं? उनको आश्वासन दें कि वो परमेश्वर की सन्तान है तथा परमेश्वर उन्हें क्षमा करता है तथा उनसे प्रेम करता है।
- कुछ बालक जो बुरा व्यवहार करते हैं, सिर्फ ध्यानाकर्षण चाहते हैं। उन्हें अन्य बालकों या उनके माता पिता की सेवा करने के लिये कार्य दें। जो वो करते हैं, उसके लिये उनकी प्रशंसा करें।
- बड़े बालकों को छोटे बालकों के साथ कार्य करने दें। बड़े बालकों को छोटे बालकों की, बड़े भाईयों की तरह सेवा करने दें तथा उन्हें सिखाने दें हर एक बालक का एक बड़ा भाई होने दें।

याद करें: कण्ठस्थ पाँच बालकों को फिलिप्पियों 2:5–9 के एक पद को याद करने दें।

बड़े बालकों को कवितायें, गीत, पारिवारिक सदस्यों को क्षमा करने के विषय में नाटक लिखने दें।

इफिसियों 4:32 स्मरण करें।

प्रार्थना: “प्रभु अपने परिवारों में उन लागों को क्षमा करना कठिन हैं, जो हमे ठेस पहुँचाते हैं। क्षमा करने में हमारी सहायता करें।”

अगर आप ने अभी तक बालकों के शिक्षकों के लिए निर्देशतत्व Aob नहीं पढ़ें हैं, तो कृपया ऐसा करें।